स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

फरवरी, 2021

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

बी.एच.डी.ई.-108 / ई.एच.डी.-8 : प्रयोजनमूलक हिन्दी

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *खण्ड क से **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । खण्ड ख से **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । खण्ड ग के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

खण्ड क

*निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।*

1. व्यवहार क्षेत्र की दृष्टि से हिन्दी भाषा के विस्तार पर प्रकाश डालिए । *20*

2. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूपों का विश्लेषण कीजिए । *20*

3. टिप्पण और टिप्पणी में अंतर बताते हुए टिप्पण लेखन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए । *20*

4. समाचार लेखन के सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए । *20*

खण्ड ख

*निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।*

5. लिपि और वर्तनी का संबंध स्पष्ट कीजिए । *10*

6. हिन्दी वाक्य संरचना की मुख्य विशेषताएँ बताइए । *10*

7. भाषा प्रयोग की औपचारिक-अनौपचारिक स्थितियों को स्पष्ट कीजिए । *10*

8. प्रशासनिक पत्रों की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए । *10*

9. वैज्ञानिक और तकनीकी भाषा के लक्षणों को स्पष्ट कीजिए । *10*

10. प्रतिवेदन लेखन का उद्देश्य बताइए । *10*

11. मुद्रित जनसंचार माध्यम के विविध रूपों का परिचय दीजिए । *10*

12. फ़िल्म समीक्षा में प्रयुक्त हिन्दी की विशेषताएँ बताइए । *10*

खण्ड ग

*इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

13. निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 50 शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए : *5×2=10*

(क) कार्यालयी हिन्दी की विशेषता स्पष्ट कीजिए ।

(ख) प्रयोजनमूलक भाषा से आप क्या समझते हैं ?

(ग) संक्षेपण और सार लेखन में अंतर बताइए ।

(घ) स्वर और व्यंजन की परिभाषा लिखिए ।

(ङ) राष्ट्रभाषा हिन्दी का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

14. निम्नलिखित शब्दों के हिन्दी पर्याय बताइए : *5×1=5*

(क) Creativity

(ख) Working woman

(ग) Identity

(घ) Frustration

(ङ) Parliament

15. निम्नलिखित में से *सही* अथवा *ग़लत* कथन का उल्लेख कीजिए : $5 \times 1 = 5$

(क) प्राचीन भारत में विज्ञान-लेखन में वही शैली अपनाई जाती थी जो दर्शनशास्त्र में प्रचलित थी ।

(ख) हिन्दी की पहली विधि शब्दावली डॉ. कामिल बुल्के ने तैयार की थी ।

(ग) विज्ञापन मुफ़्त में ही प्रकाशित व प्रचारित होते हैं ।

(घ) नासिक्य ध्वनियों को अनुस्वार से भी लिख सकते हैं ।

(ङ) आपसी बोलचाल की भाषा को राजभाषा कहते हैं ।